भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करते समय भारत सरकार/ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड-19 दिशानिर्देशों का कृपया पालन करें।

जुलाई 2022 के प्रथमय पखवाड़े की रणनीतियाँ

उपरीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- ***सीधी बुआई ऊपरी भूमि चावल में खरपतवारों के नियंत्रण हेतु, खरपतवारों के निकलने के 8-10 दिनों के बाद या खरपतवारों के 2-3 पत्ती अवस्था में, बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली/एकड़ दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 स्प्रेयर में छिड़काव करें या हाथों से निराई के विकल्प के रूप में नम मिट्टी में 20 दिन बाद फेनोक्साप्रॉप-पी-एथिल 9 ईसी 260 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें।***

निचलीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- *सीधी बुआई वाले निचलीभूमि धान में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, बुआई करने के 15-20 दिनों बाद, खरपतवार के उभरने के 8-10 दिनों में या जब खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हों, नम मिट्टी में बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली / एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता वाले 8 टैंकों में छिड़काव करें या फेनोक्साप्रोप-पी-एथिल का टैंक मिश्रण+ एथोक्सीसल्फ्यूरॉन (राइस स्टार + सनराइज) 260 + 50 ग्राम प्रति एकड़ दर से प्रयोग करें।*

प्रतिरोपित धान

- *लवणीय मिट्टी और लवणीय जल वाले क्षेत्रों में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शुष्क नर्सरी न करें। ऐसे क्षेत्रों में उपयुक्त सिंचाई सुविधाओं के तहत कम लवणता प्रभावित भूमि में सामुदायिक नर्सरी की तैयारी की जा सकती है।*
- *सुनिश्चित सिंचित क्षेत्रों में, अच्छी जल निकासी सुविधाओं सहित सिंचाई के पानी के स्त्रोत के पास गीली क्यारी नर्सरी के लिए भूमि का चयन करें। गांव स्तर पर सामुदायिक नर्सरी उपाय का पालन करने की सलाह दी जाती है।*
- *एक एकड़ क्षेत्र में रोपाई के लिए लगभग 320 वर्गमीटर क्षेत्र में नर्सरी क्यारी की आवश्यकता होती है। 10 सेमी ऊँचाई वाली, 1.2-1.5 मीटर चौड़ाई और सुविधाजनक लंबाई के गीले नर्सरी वाले क्यारी तैयार करें। दो क्यारियों के बीच में 30-45 सें.मी. चौड़ाई वाली सिंचाई/जल निकासी नाली रखा जाना चाहिए।*

- *नर्सरी में बुआई के लिए अधिक उपज देने वाली किस्मों की 14-16 किलोग्राम बीज/एकड़ और 5-6 किलोग्राम बीज/एकड़ संकर किस्में का प्रयोग करें। कम उपजाऊ भूमि में, खेत की तैयारी के समय नर्सरी में नत्रजन, फोस्फोरस एवं पोटाश 6-3-3 ग्राम /वर्गमीटर की दर से उर्वरक डालें। जस्ता की कमी वाली मिट्टी में, 960 ग्राम जस्ता को ८ सेंट (320 वर्गमीटर) धान नर्सरी में आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*
- *बुआई से पहले, बीजों को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम / किग्रा बीज दर पर (धान के बीज को 8 घंटे के लिए पानी में भिगोएँ, ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मुलेशन के साथ मिलाएं या नर्सरी में बुवाई से पहले 12-24 घंटे के लिए पॉलिथीन शीट या बीज को कैप्टन 50% (कैप गोल्ड / कैप्टन) या थिरम 75% (थिरम 75 / थायरोक्स) 3 ग्राम प्रति किलो बीज दर से उपचारित किया जा सकता है या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किया गया कोई अन्य बीज उपचार रसायन से उपचार करें।*
- *अधिक खरपतवार ग्रसित क्षेत्रों में धान की नर्सरी में खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए बुआई करने 3-5 दिनों के बाद पायराज़ोसल्फ्यूरॉन-इथाइल 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 टैंकों में छिड़काव करें या खरपतवार के निकलने के 8-10 दिनों में या जब खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हों, नम मिट्टी में बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली / एकड़ की दर से 16 लीटर क्षमता वाले 8 टैंकों में छिड़काव करें।*
- *यदि धान की नर्सरी में थ्रिप्स का प्रकोप देखा जाता है, तो एनएसकेई (अजाडिरक्टिन) 800 मिली/एकड़ दर पर या लंबाडा-सायहोलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या थियामेथोजाम 25% डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *जड़-गाँठ सूत्रकृमि और तना छेधक आक्रांत क्षेत्रों में नर्सरी क्षेत्र में बुवाई के 5 दिन बाद, कार्बोफ्यूरन के दाने 3 ग्राम/वर्गमीटर दर पर या फोरेट 1 ग्राम/वर्ममीटर दर पर या डायज़िनॉन 1 ग्राम/वर्गमीटर प्रयोग करें।*
- *यदि अंकुरित पौधों में अंगमारी दिखाई दे तो प्रोपिकोनाजोल 1 मिली / 1 लीटर पानी की दर से प्रयोग करें।*
- *यदि नर्सरी में पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, तो टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 0.4 ग्राम या आइसोप्रोथियोलेन 40ईसी 1.5 मिली प्रति लीटर दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *धान की नर्सरी में बकाने बीमारी को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 1ग्राम/ लीटर पानी दर पर छिड़काव करें और 7-10 दिनों के अंतराल पर छिड़काव दोहराएं।*
- *भूरे धब्बे के मामले में, प्रोपिकोनाजोल 25ईसी 1 मिली या मांकोजेब 75 डब्ल्यूपी दर पर या कार्बेडाजिम 64%+ मांकोजेब 8% 75 डब्ल्यूपी 1.5ग्राम/ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।*

- *चावल टुंग्रो रोग के मामले में, इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल 0.25 मिली या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूपी दर पर या 0.2 ग्राम/ लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करके हरा पत्ता माहू कीट का नियंत्रण करें।*
- *धान के खेत में तना छेदक और पत्ता मोड़क फोल्डर के संक्रमण की निगरानी के लिए 3 फेरोमोन ट्रैप/एकड़ रखें। जब भी नर कीट/जाल की संख्या 4 या 5 तक पहुँच जाए, तो अजाडिरक्टिन 0.15% ईसी 800 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4% जीआर 4 किग्रा/एकड़ 1:1 के अनुपात में रेत के साथ मिलाकर या क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी 60 मिली/एकड़ 200 लीटर पानी दर पर या कार्टैप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *केस वर्म के मामले में, इंडोक्साकार्ब 15.8% ईसी 80 मिली/एकड़ दर पर या फ्लुबेंडियामाइड 39.35% एससी 20 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें।*
- *रोपाई के लिए यांत्रिक प्ररोपक का उपयोग करके, रोपाई से 15-20 दिन पहले चटाईदार नर्सरी की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। सड़ी हुई गोबर खाद या कंपोस्ट या कृमिखाद के साथ 4:1 के अनुपात में महीन मिट्टी मिलाएं। अच्छी तरह मिलाने के बाद, मिश्रण को अंकुर ट्रे या पॉलिथीन शीट पर लगभग 2 सेमी मोटाई पर फैला दें। मिट्टी को पॉलिथीन शीट पर फैलाने और इसे एक समान बनाने के लिए लकड़ी या लोहे के फ्रेम को 4 बराबर खंडों में विभाजित करें। मिट्टी के मिश्रण के साथ फ्रेम को लगभग ऊपर तक भरें और इसे समतल करें। पहले से अंकुरित बीजों को मिट्टी के मिश्रण पर समान रूप से फैलाएं। यदि नर्सरी खुले क्षेत्र में उगाई जाती है तो बीज को मिट्टी के मिश्रण की एक पतली परत (0.5 सेमी) और पुआल या केले के पत्तों की एक पतली परत से ढक दें। 2-3 दिनों के बाद पुआल या केले के पत्ते को हटा दें। नियमित अंतराल पर सिंचाई करते हुए मिट्टी की नमी बनाए रखें। एक प्रतिशत क्षेत्र में उगाए गए पौधे एक एकड़ क्षेत्र में प्रतिरोपण के लिए पर्याप्त हैं।*
- *मुख्य खेत की भूमि की तैयारी 7-10 दिनों के अंतराल पर दो बार खेत को कीचड़दार बनाकर और एक समान फसल स्थापना के लिए भूमि को समतल करना चाहिए। पहली बार खेत को कीचड़दार करने से पहले लगभग 0.8 टन/एकड़ अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर डाला जा सकता है।*
- *मुख्य खेत में, खेत को प्रारंभिक समय पर कीचड़दार करने से पहले ढैंचा हरी खाद की फसल को शामिल करें।*
- *अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए, अंतिम बार कीचड़दार करने के समय आधारी मात्रा के रूप में 35 किग्रा डीएपी + 27 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया +100 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें। रेतीली मिट्टी में, 35 किग्रा डीएपी और 13.5 किग्रा एमओपी या 18 किग्रा यूरिया + 100 किग्रा एसएसपी + 13.5 किग्रा एमओपी डालें।*

- *संकर किस्मों के लिए, खेत को अंतिम बार कीचड़दार के समय आधारी मात्रा के रूप में 53 किग्रा डीएपी +27 किग्रा एमओपी या 26 किग्रा यूरिया +150 किग्रा एसएसपी + 27 किग्रा एमओपी डालें।*
- *जस्ता की कमी वाले क्षेत्रों में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय जिंक सल्फेट 10 किग्रा / एकड़ या जिंक-ईडीटीए 6 किग्रा / एकड़ दर पर (दो साल में एक बार) डालें।*
- *बोरॉन की कमी वाली मिट्टी में, अंतिम भूमि की तैयारी के समय 2 किलो प्रति एकड़ की दर से बोरेक्स डालें।*
- *25-30 दिनो वाली पौध की रोपाई 20x15 सेमी की दूरी पर उथली गहराई पर करनी चाहिए, अधिक उपज देने वाली किस्मों के लिए प्रति पूंजा 2-3 पौध का प्रयोग करें। संकरों के लिए प्रति पूंजा केवल 1-2 पौध का प्रयोग करें।*
- *खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए, रोपाई के 5-10 दिनों के भीतर दानेदार शाकनाशी बेनसल्फ्यूरॉन मिथाइल 0.6% + प्रीटिलाक्लोर 6% जीआर (लोंडैक्स पावर / इरेज़ स्ट्रांग) 4 किग्रा / एकड़ दर पर 4 किग्रा रेत मिलाकर प्रयोग करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धान फसल के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*